जीवन आओर अनुशासन

सामाजिक पूनक सीमा पर ठाढ़ अलक केँ मीठि
विनाशक निकलैत आ रविमरल पर समानता
सम्पूर्ण दिनक राना निश्चित समय पर समय
कए, सहस्र दीपमाला अकूत आगामानक
तरेगान केँ संसारक आँचर मे छिड़िया देब।
सृष्टिक आदिकालहि सँ प्रकृति केँ
राना चक्र घूमि रहल अछि। प्रकृति
अनुशासनबद्ध अछि तेँ ओ सफल अछि।

सफलताक हेतु मानव-जीवनक अनुशासन आवश्यक अछि। अनुशासनहीन जीवन कखनो सफल नहि भए सकैछ। प्रगतिक उच्च शिखर पर पहुँचवाक हेतु अनुशासनरूपी कवच आवश्यक अछि। एहि ~~अनुशा~~ अनुशासन-कवच केँ धारण कए लिया करवनो युगक कालुष्य, असफलतारूपी शत्रुक वाण-प्रहार सँ बचि

[illegible] संभव।

[illegible] जीवनक आदि क्षेत्र मे
अनुशासन जीवन आवश्यकताक अधिकाधिक
आछि। ई [illegible] कारण अछि जे
[illegible] रक्षा मे [illegible] लोकनिक लेल
अनुशासन विशेष महत्वपूर्ण आछि।

छात्र जीवन सेहो
[illegible] काल होइछ। इएह जीवन
[illegible] सुन्दर भविष्यक आधार होइछ।
निर्माण मे अनुशासनक महत्वपूर्ण
अछि। [illegible] मे छात्र लोकनि
[illegible] निर्माता होइछ।
[illegible] ठीक कार्यक कर्मवीरता
[illegible] रहैछ।

समय पर विद्यालय आयब।
१. [illegible] आदर करब,

• गुरुजन प्रति भक्ति [illegible]
[illegible] सेहो [illegible] आवश्यक छै
[illegible] अनुशासन [illegible]
[illegible] होइछ। [illegible] छात्र जीवन [illegible]

[illegible]
विद्यालय आदि विद्यालय मे अन-
[illegible] अनुशासनहीनता [illegible]
लोकनि [illegible]
[illegible] छात्र जीवन [illegible]
[illegible] अछि। [illegible]
[illegible] दैत अछि।

छात्र अनुशासनहीनता

Scanned with CamScanner

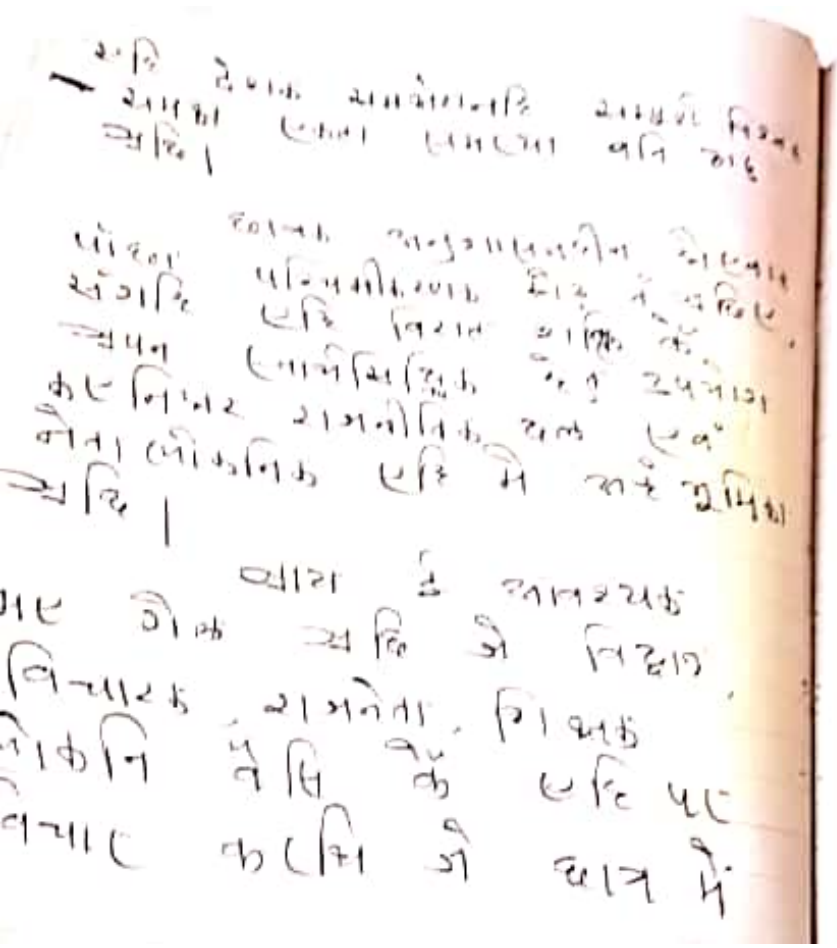

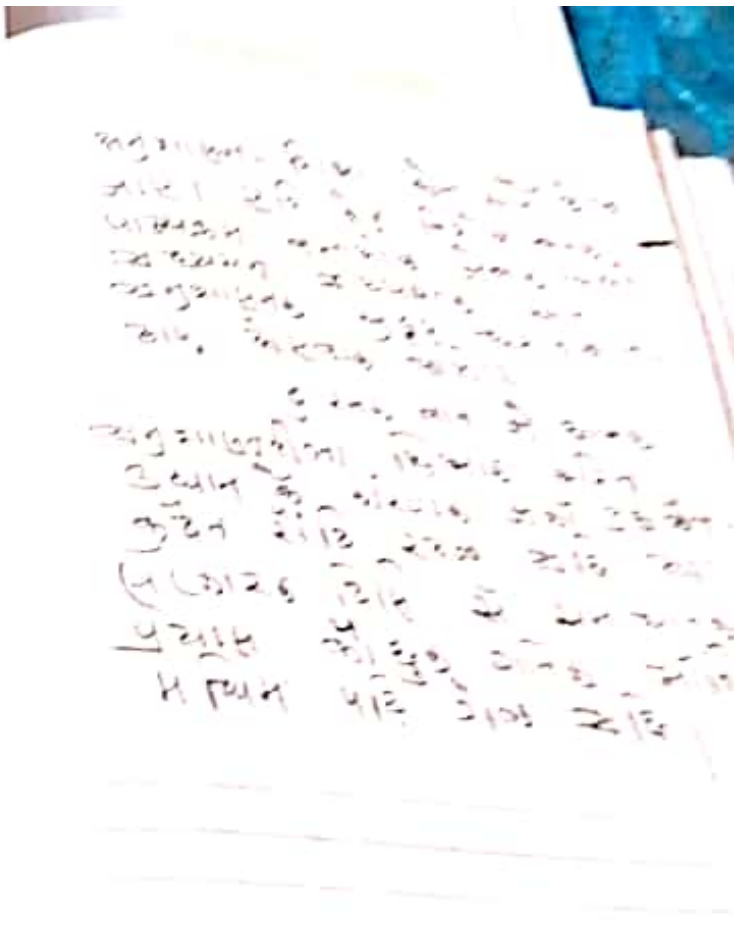

Scanned with CamScanner